IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, March 2026
Impact Factor: 8.2

भारतीय ज्ञान प्रणाली और सामुदायिक जीवन का समाजशास्त्रीय विश्लेषण

डॉ. प्रियंका पांडेय
अतिथि विद्वान -समाज शास्त्र विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System - IKS) प्राचीन वैदिक, उपनिषदिक, बौद्ध, जैन तथा लोक परंपराओं में निहित एक समग्र दर्शन, विज्ञान, नैतिकता और संस्कृति का भंडार है। यह शोध पत्र भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से सामुदायिक जीवन (community life) का समाजशास्त्रीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है, विशेष रूप से ग्रामीण एवं आदिवासी संदर्भों में। सामाजिक एकता, सामूहिक नैतिकता, पारस्परिक निर्भरता तथा पर्यावरणीय संतुलन जैसे अवधारणाओं के आधार पर यह दर्शाता है कि IKS सामुदायिक संस्थाओं जैसे पंचायत, संयुक्त परिवार, त्योहारों तथा सहकारी जीवन को मजबूत बनाता है। आधुनिकता एवं वैश्वीकरण के दौर में IKS असमानता, पर्यावरण संकट तथा सांस्कृतिक क्षरण जैसी चुनौतियों के लिए वैकल्पिक मॉडल प्रदान करता है। द्वितीयक साहित्य के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप IKS को समकालीन समाजशास्त्र में समाहित करने से समावेशी एवं सतत विकास संभव है। यह प्रणाली सामंजस्यपूर्ण एवं आत्मनिर्भर सामुदायिक जीवन के लिए प्रासंगिक बनी हुई है।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-31550